नवभारत

मुंबई, रविवार, 9 अप्रैल 2006

मनोरोगियों का जीवन संवारता है श्रद्धा फाउंडेशन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. आप रास्ते से गुजर रहे हों और आपको बदहाल अवस्था में मैले-कुचैले कपड़े पहने कोई दिख जाए जो आप पहली नजर में उसे भिखारी समझते होंगे. आपका सोचना कई बार गलत भी हो सकता है. सड़कों पर ऐसी हालत में घूमनेवाले अपने घर से बिछड़े मानसिक रूप से असंतुलित रोगी भी होते हैं. ऐसे ही मानसिक रोगियों का इलाज कर उन्हें उनके परिवार से मिलाने के कार्य में महानगर की श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन संस्था जुटी है.

मध्यप्रदेश के सिमोनी जिले का आदिक (15 वर्षीय) अपने परिवार से पिछले 5 वर्षों से बिछड़कर रास्तों पर भटकता हुआ बदहाल अवस्था में अपना जीवन गुजार रहा था. जनवरी 2006 में कर्जत शहर के रिक्शा चालकों ने उसे दयनीय हालत में श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन के हवाले किया. वहीं दूसरी तरफ आदिक के घरवालों ने 5 वर्षों से गायब अपने चिराग के जिंदा होने की आस लगभग छोड़ ही दी थी. दो माह तक आदिक का इलाज करने के बाद जब श्रद्धा फाउंडेशन के कार्यकर्ता कुछ दिनों पहले

जब उसे घर छोड़ने गए तो आदिक के परिवार वालों की आंखों से खुशी के आंसू बंद होने का नाम नहीं ले रहे थे. आदिक की तरह ही मध्यप्रदेश के सागर जिले का युवक पप्पू पिछले 2 वर्षों से अपने परिवार से जुदा होकर बदहाली में जीवन व्यतीत कर रहा था. श्रद्धा फाउंडेशन के कार्यकर्ता की नजर रास्ते पर घूमते हुए पप्पू पर पड़ी और करीब 2 माह तक उसका इलाज करने के बाद आदिक के साथ ही फाउंडेशन के कार्यकर्ता उसे उसके परिवार के पास लेकर गए, इस दौरान फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने गांववालों को पप्पू की मानसिक रूप से असंतुलित रहने की जानकारी दी, क्योंकि अक्सर गांवों व छोटे कस्बों में इस बीमारी को लोग भूत-प्रेत का साया समझने लगते हैं. फाउंडेशन ने इस संबंध में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का कार्य भी शुरू किया है. फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी मनोचिकित्सक डॉ. भरत वाटवाणी ने बताया कि वे यह कार्य वर्ष 1988 से कर रहे हैं और संस्था ने पिछले दो दशकों में 800 के करीब ऐसे लोगों को देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे उनके परिवार से मिलाया है. डॉ. वाटवाणी ने बताया कि संस्था पहले दहिसर में ऐसे लोगों का इलाज करती थी, जहां 30 से 40 लोगों के रहने की व्यवस्था थी. संस्था ने हाल ही में ऐसे इलाज करने व रहने की व्यवस्था कर्जत स्थित वानगांव में की है, जहां 100 लोग रह सकते हैं. संस्था द्वारा कर्जत में इस समय 43 लोगों का इलाज किया जा रहा है. संस्था ने जनता से आह्वान किया है कि अगर आपको ऐसी अवस्था में सड़कों पर घूमता कोई व्यक्ति या महिला मिले तो डॉ. वाटवाणी से मोबाईल नंबर 9820422204 पर संपर्क कर सकते है.